अंक 6

श्री सोमनाथेश्वर समाचार

श्री सोमनाथेश्वर सामाजिक, सांस्कृतिक, पर्यावरण जागरूकता, धार्मिक, योग एवं आध्यात्मिक चेतना ग्रुप द्वारा संचालित त्रैमासिक ई-पत्रिका

सम्पादक मंडल

समाचार संकलन
राजेश एवं कमला फुलोरिया
संपादन
भारत एवं नवीन फुलोरिया
परामर्श
आचार्य प्रकाश फुलोरिया

सहयोग : समस्त ग्रामवासी

-अपनी बात
- बधाई
- श्रद्धांजलि
- वरिष्ठ सदस्य जीवन परिचय
- शुभ कार्य
- धर्म-कर्म
- ग्राम विकास गतिविधियां
-ग्रीष्मोत्सव 2025
- ग्राम में इषिता का स्वागत
- मासिक बैठक

अपनी बात

श्रीसोमनाथेश्वर समाचार का छठा अंक (अप्रैल- जून 2025) आपके समक्ष प्रस्तुत है। इस वर्ष, श्री सोमनाथेश्वर समिति और ग्रीष्मोत्सव ने आपके सहयोग और समर्थन से ग्यारह वर्षों का सफर पूरा किया है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि कई चुनौतियों के बावजूद, हम समिति और ग्रीष्मोत्सव का सफलतापूर्वक संचालन ग्राम वासियों के सहयोग से जारी रख सके।

इस अंक में हम स्व. तारा दत्त फुलोरिया (झलां वाले) को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हैं। उन्होंने सुदीर्घ एवं सफल जीवन जीने के पश्चात मई माह में भगवत्धाम को प्रस्थान किया।

इसी अंक में वरिष्ठ सदस्य परिचय के अंतर्गत श्री तारा दत्त फुलोरिया अवकाश प्राप्त प्रधानाचार्य जी की जीवन यात्रा प्रस्तुत कर रहे हैं कि किस तरह हमारी पुरानी पीढ़ी ने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर अपनी राह बना कर सफलता प्राप्त की जो आने वाली पीढ़ी को प्रेरित कर रास्ता दिखाएगी।

यह हम सभी ग्राम वासियों के लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि सुश्री इषिता फुलोरिया पौत्री श्री बाला दत्त पुत्री श्री विपिन फुलोरिया ने ग्राम में प्रथम बार भारतीय सिविल सेवा परीक्षा पास कर उप कर आयुक्त का पद भार संभाला है।इस अवसर पर अपने कुल देवता और श्री सोमनाथेश्वर की पूजा अर्चना और धन्यवाद ज्ञापन हेतु श्री बाला दत्त जी अपने पूरे परिवार के साथ गांव पहुंचे जहां पर उनका भाव भीना स्वागत ग्राम वासियों द्वारा किया गया। अपनी जड़ों से जुड़े रहने का यह प्रयास प्रशंसनीय है तथा गांव की नई पीढ़ी के लिए इषिता की यह उपलब्धि प्रेरणा का श्रोत है।

भारत एवं नवीन फुलोरिया

बधाई

सुश्री गायत्री फुलोरिया
पुत्री श्रीमती जानकी एवं स्व. दिनेश चन्द्र फुलोरिया को यूनियन बैंक में PO पद पर पदोन्नति और लखनऊ में कार्य भार ग्रहण करने के लिए बहुत बहुत बधाई और उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं

श्री शिवांशु फुलोरिया
पुत्र श्रीमती गीता एवं रमेश चंद्र फुलोरिया का चयन उत्तराखंड ग्रामीण बैंक में मैनेजर के पद पर कपकोट, जिला बागेश्वर में हुआ है। शिवांशु और परिवार को बहुत-बहुत बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं उज्वल भविष्य के लिए।

श्रद्धांजलि

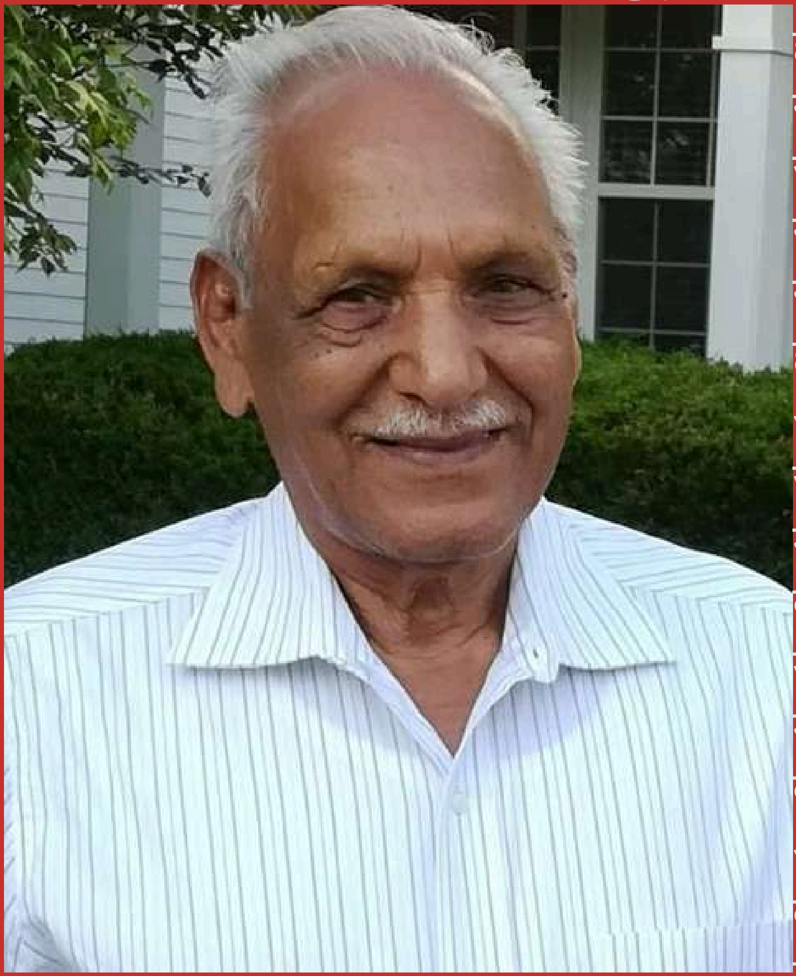

स्व. तारा दत्त फुलोरिया

हर सफल व्यक्ति के जीवन की शुरुआत बहुत ही साधारण तरीके से होती है, जहां उन्हें अपने जीवन में संसाधनों और अवसरों की कमी के साथ कठिनाइयों, संघर्षों और असफलताओं का सामना करते हुए जीवन पथ पर आगे बढ़ना होता है।

आज हम जानेंगे एक ऐसी शख्सियत के बारे में जो हमारे आदिग्राम में पैदा हुए और मायानगरी मुंबई को अपनी कर्मभूमि बनाया लेकिन जीवन के आखिरी क्षणों तक अपनी मातृभूमि के प्रति उनका लगाव बना रहा । हम बात कर रहे हैं मुंबई निवासी स्वर्गीय श्री तारादत्त फुलोरिया जी के बारे में । उनकी कहानी प्रेरणा, संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास पर आधारित है, जो दूसरों को भी प्रेरित करती है कि किसी भी परिस्थिति में हार न मानें ।

आपका जन्म 03 दिसम्बर, 1934 को आदिग्राम में हुआ । पिताजी व दादाजी द्वारा चौखुटिया के समीप ग्राम -झलां में उपजाऊ जमीन खरीदने के कारण वहीं पर रहकर धामदेवल के स्कूल से आपने प्राइमरी की शिक्षा ग्रहण की । पांचवी पास करने के बाद नजदीक में कोई स्कूल न होने के कारण आगे की पढाई के लिए द्वाराहाट गए । उन दिनों यातायात के लिए गाडियाँ नहीं होती थी इसलिए द्वाराहाट में डेरा लेकर रहते थे और सप्ताह के अंत में पैदल घर आते थे । द्वाराहाट से हाईस्कूल की परीक्षा पास करने के बाद 1950-1951 के आसपास आगे की जीवन यात्रा के लिए मुंबई आ गए । मुंबई आकर एकाउंटस की पढाई की

17 वर्ष की उम्र में माता-पिता ने मानिला के निकट मटेला से विवाह करा दिया । विवाह के पश्चात फिर से मुंबई आए । पहले नौसेना में सरकारी नौकरी और फिर ओएनजीसी में नौकरी मिली लेकिन परिजनों ने समुद्र और सुदूर जाने की नौकरी नहीं करने दी । उस दौरान मुंबई में मिलों का बोलबाला था, इसलिए एक कपडे की मिल में मैनेजर की नौकरी कर ली । जीवन में कई बार आपको आर्थिक परेशानियों का सामना भी करना पड़ा ।

आपके परिवार में 02 पुत्र, और एक पुत्री हैं । बडे बेटे जगदीश फुलोरिया पिछले 25 वर्षों से अपने बच्चों के साथ अमेरिका में रहते हैं । छोटे बेटे चन्द्रशेखर मुंबई में तथा बेटी माया पुणे में रहती है । पारिवारिक दृष्टि से आप बहुत ही सुखी रहे । उल्लेखनीय है कि आप डा0 प्रफुल्ल फुलोरिया, हल्द्वानी के चाचा जी हैं ।

सामाजिक कार्य - शुरूआत से ही आपका झुकाव सामाजिक कार्यों के प्रति रहा । 1955-1960 के दौर में आज की तुलना में मुंबई में उत्तराखंड के लोगों की संख्या कम थी । उनमें से बहुत ही कम लोग थे जो अच्छी नौकरी करते थे और उच्च पदों पर कार्यरत थे । अधिकतर लोग गाँव से प्राइमरी पास कर रोजगार की तलाश में मुंबई आते थे । उनमें से कुछ मुंबई के अस्पतालों में, कुछ होटलों में तथा कुछ मिलों में काम किया करते थे । एक बड़ा वर्ग टैक्सी चलाया करता था । अपने उत्तराखंड के लोगों की आर्थिक स्थिति को सुधारने व नौकरी व व्यवसाय में आर्थिक मदद करने के लिए आपने व आपके मित्रों ने 1965-66 के आसपास "कुमाऊं अर्बन को.ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी" की स्थापना की । आप इसके संस्थापक सदस्य रहे और लगभग 25 वर्षो तक इसके पदाधिकारी रहे । इसके साथ ही सामाजिक स्तर पर लोगों को जोडने के लिए "हिमालय पर्वतीय संघ" की स्थापना इससे पूर्व हुई थी जिसके साथ आप अंत तक जुडे रहे । उत्तराखंड के लोग एक साथ रह सकें और उनका अपना घर हो, इस उद्देश्य से मुंबई के घाटकोपर में "हिमालय हाउसिंग सोसायटी" की स्थापना की गई और जमीन खरीदकर उसमें फ्लैट बनाए गए । मुंबई में प्रवासी उतराखंडियों की यह सबसे पुरानी कॉलोनी है । आप लगभग 25 सालों तक इस संस्था के भी पदाधिकारी रहे । आज भी आपका परिवार इसी सोसायटी में रहता है । अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक आप सामाजिक कार्य करते रहे और "हिमालय को.ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी" के अध्यक्ष के तौर पर कार्यरत थे । किसी भी जरूरतमंद की मदद करना ही आपके जीवन का ध्येय था ।

जितना लगाव आपका अपनी कर्मभूमि मुंबई से था उससे अधिक लगाव आपका अपनी मातृभूमि से रहा । आपका मानना था कि बच्चे देश का भविष्य हैं तो फिर अच्छी शिक्षा मिलना उनका अधिकार है । और इलाके के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले इसलिए वर्ष 1992 से 2015 तक आप सरस्वती शिशु मंदिर धामदेवल के माध्यम से गाँव-इलाके के बच्चों को पढाने के लिए आर्थिक सहयोग देते रहे । वह चाहे अध्यापकों का वेतन हो या फिर स्कूल भवन का निर्माण, आपका आर्थिक सहयोग व मार्गदर्शन मिलता रहा । वर्ष 2012 में आपने एक सामाजिक संस्था "तुलसी फाउंडेशन" की स्थापना की और 2015-2016 से आप व आपका परिवार तुलसी पब्लिक स्कूल, धामदेवल के गरीब विद्यार्थियों की फीस देना, अध्यापकों का वेतन देना, भवन निर्माण करना आदि का पुनीत कार्य लगातार करते आ रहा है ।

कई बार वे ग्रीष्मोत्सव में भी शामिल हुए हैं । इस वर्ष भी गाँव आकर ग्रीष्मोत्सव में शामिल होने का उनका संकल्प था किन्तु अल्प बीमारी की वजह से 90 वर्ष की आयु में 05 मई, 2025 को उनका देहावसान हो गया ।

वरिष्ठ सदस्य-जीवन परिचय-३

श्री तारा दत्त फुलोरिया

मेरा जन्म ग्राम आदिग्राम फुलोरिया में देवकी देवी और देवी दत्त के घर में 14 अगस्त 1945 (प्रमाण पत्र अनुसार 11 जून 1949) को हुआ। जन्म के ठीक एक साल बाद पिता जी स्वर्गवासी हो गये। पिता स्वरुप अग्रज पीताम्बर दत्त जी व माता जी तथा तीन बड़ी बहनों की छत्रछाया में बड़ा कष्टप्रद बचपन बीता। प्राइमरी पाठशाला तिमिलखाल से पांचवीं कक्षा पास कर 1960 में आठवीं कक्षा उत्तीर्ण की।मासी में हाईस्कूल न होने के कारण स्व.हीराबल्लभ शास्त्री के सुलभ अभिभावकत्व में विनायक से 1962 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। हाईस्कूल में बिदाई के दिन बालीबाल खेलते समय गिरने से दाहिना हाथ टूट गया। परीक्षा में लेखक के रूप में कक्षा 9का विद्यार्थी मिला। नेशनल इंटर कालेज रानीखेत परीक्षा केंद्र था । परीक्षा के लिए पैंट,कमीज व बनियान बनाई गई थी ।वे कपड़े घर में ही रहे। जजमानी से आये कपड़े का कुर्ता पायजामा पहन कर ही बिनायक से रानीखेत अस्पताल पहुंचा । परीक्षा से चार दिन पूर्व दाहिने हाथ में मोटा सा प्लास्टर बंधा। इसी हालत में हाईस्कूल की परीक्षा दी।इस बीच बिनायक इंटर में आर्ट्स की मान्यता मिल गई।1964 में इंटर तथा 1967 में बीए करने के बाद तीन वर्ष तक हाईस्कूल जौरासी में अप्रशिक्षित शिक्षक के रुप में कार्य किया।1970 में बीएड करने के बाद इंटर कालेज मासी में 1970 जुलाई से शिक्षक नियुक्त हुआ।सन् 1972 में हिंदी में एम ए किया। 1985 जनवरी में राजकीय इंटर कालेज नैनीताल को स्थानांतरित होकर वर्ष 2001 में उत्तराखंड शिक्षा परिषद में सहायक सचिव और उप सचिव रहते हुए जनवरी 2006 में राजकीय इंटर कॉलेज छोई में प्रधानाचार्य तथा बोर्ड उपसचिव के पद पर कार्य करते हुए मार्च 2010 में अवकाश ग्रहण किया ।

क्रमशः

परिवार के साथ

सन् 1972 में गांव के कुछ समझदार व्यक्तियों ने ग्राम प्रधान बनने की सलाह दी।श्री मथुरा दत्त के यहां कीर्तन बाद तय हुआ कि मैं प्रधान पद पर नामांकन दाखिल करूं। सन् 1977 में बीमा ग्राम उद्घाटन में उ.प्र. सरकार के मंत्री स्वर्गीय शोबन सिंह जीना गांव में पधारे। उन्होंने मंच से अपने संबोधन में इंटर कॉलेज मासी के प्रांतीकरण का उल्लेख किया 14मार्च 1978 को प्रधान पद से इस्तीफा दिया।उन वर्षों में सरकारी अनुदान मिलता ही नहीं था। ग्राम वासियों के साथ से 70 लाख रुपए की पेय जल परियोजना तथा विद्युत मंत्री माननीय नारायण दत्त तिवारी जी से प्रार्थना कर मासी,चौंना ग्रामों के साथ आदिग्राम फुलोरिया एवं ग्राम कनौणी,चार ग्रामों में बिजली प्राप्त हुई।

जिस ग्राम की मिट्टी व सोमनाथेश्वर महादेव की कृपा से सन् 1924 में स्व.देवीदत्तजी पूर्व प्रधानाचार्य को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से एमएससी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने का गौरव मिला हो,उस गांव के खेतों में उत्पन्न अन्न को ग्रहण कर हम सब पले बढ़े हैं।डा.रमेशचन्द्र फुलोरिया जैसे कर्मठ, लगनशील एवं कौशलयुक्त व्यक्तित्व हमारे सामने हों, उस गांव की पवित्र भूमि के युवक-युवतियों और अध्ययन रत विद्यार्थियों को अपनी ओर से सलाह दूंगा कि गांव के ही किसी महान विभूति को अपना आदर्श बनाकर जीवन की राह में आगे बढ़ें। मैंने भी पं.रामदत्त जी (प्रधानाध्यापक) तथा स्व. खीमानंद फुलोरिया(हल्द्वानी) को अपना आदर्श तथा स्व. हीरा बल्लभ शास्त्री जी को श्रेष्ठ अभिभावक माना है। मेरे दादा जी नाम स्व.कांतिमणि था जिनका नाम उनके द्वारा निर्मित बीच के नौवें के शिलापट्ट पर आज भी अंकित है।

शुभ कार्य

चि.पीयूष पुत्र श्रीमती कमला एवं श्री राजेश का यज्ञोपवीत संस्कार 8-9 जून को गांव में सम्पन्न हुआ। चि.पीयुषको शुभ आशीर्वाद व समस्त परिवार को बहुत-बहुत बधाई

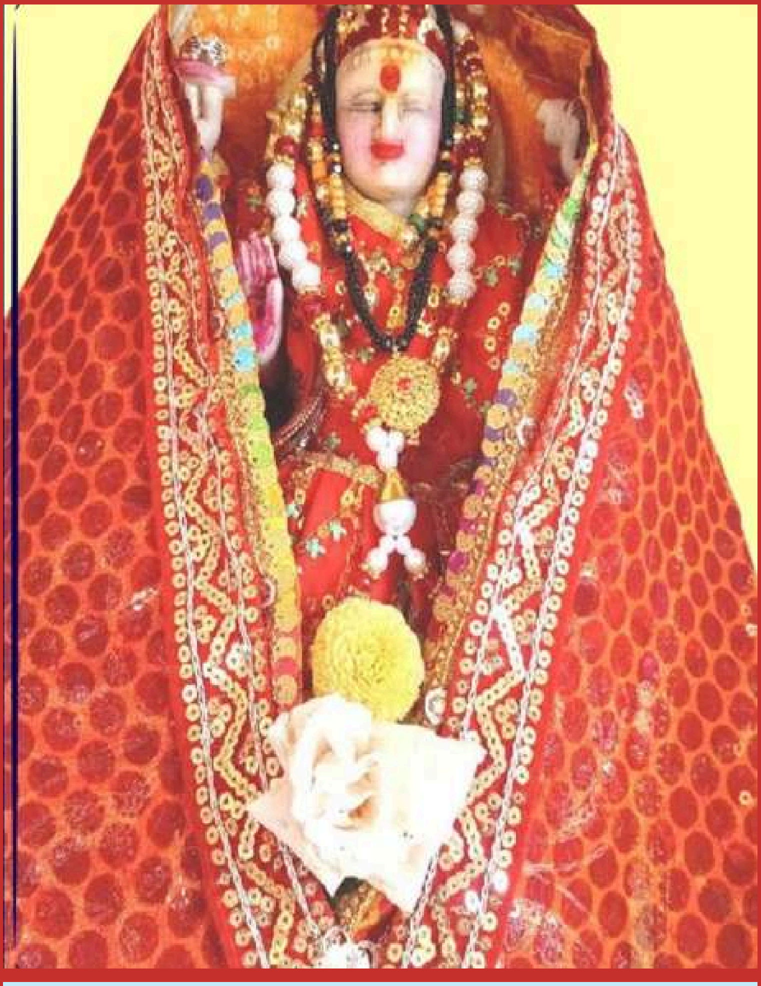

भगवती मय्या मंदिर आदीग्राम फुलोरिया का जीर्णोद्धार श्री हर्ष फुलोरियाकी प्रेरणा से श्री रोहित अग्रवाल बेरसराय, दिल्ली व श्रीमती पुष्पा गौड़ पत्नी श्री महेश गौड़ ,जिया सराय , दिल्ली वालों ने मई 2025 में कराया

ग्राम विकास
गतिविधियां

ग्राम के रास्तों की
साफ सफाई

महिला शक्ति द्वारा

ग्राम विकास गतिविधियां

उन्नत बीजों का वितरण

कृषि विभाग द्वारा

निर्माणाधीन पशुपालन केन्द्र का निरीक्षण

पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मुफ्त दवा वितरण

बहु उद्देशीय सहकारी समिति आदि ग्राम फुलोरिया की अध्यक्ष श्रीमती धर्मा फुलोरिया व सचिव श्रीमती उमा फुलोरिया का स्वागत करते हुए महिला शक्ति

ग्रीष्मोत्सव -2025का शुभारंभ सुन्दर कांड पाठ से

ग्रीष्मोत्सव 2025-कलशयात्रा

ग्रीष्मोत्सव 2025-झलकियां

ग्रीष्मोत्सव 2025-झलकियां

ग्रीष्मोत्सव 2025-झलकियां

ग्रीष्मोत्सव -2025-कुछ झलकियां

ग्रीष्मोत्सव 2025 कुछ झलकियां

ग्रीष्मोत्सव 2025 की कुछ और झलकियां

सुश्री इषिता फुलोरिया (IRS) का ग्राम के बच्चों द्वारा स्वागत

महिला शक्ति द्वारा इषिता का सम्मान

सुन्दरकाण्ड पाठ

ग्राम प्रधान के निर्विरोध चयन पर विचार विमर्श करते ग्राम वासी

फुलोरिया बन्धु एवं मित्र संगठन

फुलोरिया बन्धु और मित्र संगठन